Quran Plus School

40

बच्चों के लिए 40 हदीसें

أَرْبَعُوْنَ حَدِيْثًا

नबी ﷺ के छोटे-छोटे फ़रमान — याद करने और अमल करने के लिए, बच्चों और घर वालों के लिए।

अरबी | हिंदी उच्चारण | हिंदी मतलब | सबक़ | हवाला

यह किताब इसकी है:

ऑनलाइन खोलें
याद करने की लिस्ट और ऑडियो के लिए

इस किताब को कैसे इस्तेमाल करें

ये नबी ﷺ के छोटे-छोटे फ़रमान हैं जो सहीह किताबों से लिए गए हैं, हर एक के साथ हवाला दिया गया है। हर हफ़्ते एक हदीस याद करें, उसका मतलब समझें और उस पर अमल करें।

देखें
अरबी को ध्यान से देखें

सुनें
उस्ताद या वालिदैन से सुनें

दोहराएँ
तीन बार साथ में दोहराएँ

पढ़ें
ख़ुद पढ़ें, फिर मतलब बताएँ

बच्चों के लिए

- हदीस याद हो जाए तो ✓ लगाएँ और सितारे रंग दें।
- “सबक़” पढ़ें और उस पर अमल करें।
- आख़िर में ट्रैकर और सर्टिफ़िकेट है।

वालिदैन और उस्ताद के लिए

- हिंदी उच्चारण सिर्फ़ मदद के लिए है — असल अरबी है, सही तलफ़्फ़ुज़ उस्ताद से सीखें।
- रोज़ 5 मिनट काफ़ी हैं; पुरानी दुआएँ भी दोहराते रहें।
- ऑनलाइन पेज पर हर बच्चे की प्रोग्रेस रखी जा सकती है।

ईमान और नीयत	1–5
क़ुरआन और इल्म	6–10
नमाज़ और इबादत	11–15
माँ-बाप और घर वाले	16–20
ज़बान और सच्चाई	21–25
अच्छे अख़लाक़	26–30
मुहब्बत और भाईचारा	31–35
सदक़ा और रोज़ की सुन्नतें	36–40

हवाले: क़ुरआन की आयतें सूरह और आयत नंबर के साथ; हदीसों के नंबर sunnah.com के मुताबिक़ हैं। “हदीस का एक हिस्सा” का मतलब है कि यहाँ लंबी हदीस का सिर्फ़ छोटा हिस्सा लिखा गया है।

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

ईमान और नीयत

1 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

إِنَّمَا الْأَعْمَالُ بِالنِّيَّاتِ وَإِنَّمَا لِكُلِّ امْرِئٍ مَّا نَوَى

इन्नमल अअमालु बिन्नियात, व इन्नमा लि-कुल्लिम्रिइम-मा नवा

मतलब

आमाल का दारोमदार नीयतों पर है, और हर इंसान को वही मिलेगा जिसकी उसने नीयत की।

☆ **सबक़:** नेक काम अल्लाह को राज़ी करने के लिए करें, दिखावे के लिए नहीं।

रावी: **हज़रत उमर बिन ख़त्ताब (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 1** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

2 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

لَا يُؤْمِنُ أَحَدُكُمْ حَتَّى يُحِبَّ لِأَخِيهِ مَا يُحِبُّ لِنَفْسِهِ

ला यूमिनु अहदुकुम हत्ता युहिब्बा लि-अख़ीहि मा युहिब्बु लि-नफ़्सिह

मतलब

तुम में से कोई (कामिल) मोमिन नहीं हो सकता जब तक अपने भाई के लिए वही पसंद न करे जो अपने लिए पसंद करता है।

☆ **सबक़:** दूसरों के लिए भी वही भलाई चाहें जो अपने लिए चाहते हैं।

रावी: **हज़रत अनस बिन मालिक (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 13** ★ ★ ★

3 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

اَلدِّيْنُ النَّصِيْحَةُ

अद्दीनुन-नसीहह

मतलब

दीन ख़ुलूस और ख़ैरख़्वाही का नाम है।

☆ **सबक़:** अल्लाह, उसकी किताब, उसके रसूल ﷺ और सब मुसलमानों के साथ मुख़्लिस और ख़ैरख़्वाह रहें।

रावी: **हज़रत तमीम दारी (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 55** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

4 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

اَلطُّهُوْرُ شَطْرُ الْإِيْمَانِ

अत्तुहूरु शत्रुल ईमान

मतलब

पाकीज़गी आधा ईमान है।

☆ **सबक़:** अपना जिस्म, कपड़े और कमरा साफ़-सुथरा रखें।

रावी: **हज़रत अबू मालिक अशअरी (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 223** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

5 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

اَلْحَيَاءُ مِنَ الْإِيْمَانِ

अल्हयाउ मिनल ईमान

मतलब

हया (शर्म) ईमान का हिस्सा है।

☆ **सबक़:** बुरे काम और बुरी बात से शर्म करें।

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 36** ★ ★ ★

कुरआन और इल्म

6 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

خَيْرُكُمْ مَّنْ تَعَلَّمَ الْقُرْآنَ وَعَلَّمَهُ

ख़ैरुकुम मन तअल्लमल-क़ुरआना व अल्लमह

मतलब

तुम में सबसे बेहतर वह है जो क़ुरआन सीखे और सिखाए।

☆ **सबक़:** क़ुरआन सीखने वाला बेहतरीन लोगों में शामिल हो जाता है।

रावी: **हज़रत उस्मान बिन अफ़्फ़ान (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 5027** ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

7 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

☐ याद हो गई

اِقْرَءُوا الْقُرْآنَ فَإِنَّهُ يَأْتِي يَوْمَ الْقِيَامَةِ شَفِيعًا لِأَصْحَابِهِ

इक़रउल-क़ुरआना फ़-इन्नहू यअती यौमल-क़ियामति शफ़ीअल-लि-अस्हाबिह

मतलब

क़ुरआन पढ़ा करो, क्योंकि यह क़यामत के दिन अपने पढ़ने वालों की सिफ़ारिश करने आएगा।

☆ **सबक़:** रोज़ाना कुछ न कुछ क़ुरआन पढ़ें।

रावी: **हज़रत अबू उमामा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 804** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

8 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

☐ याद हो गई

مَنْ سَلَكَ طَرِيقًا يَلْتَمِسُ فِيهِ عِلْمًا سَهَّلَ اللَّهُ لَهُ بِهِ طَرِيقًا إِلَى الْجَنَّةِ

मन सलका तरीक़न यल्तमिसु फ़ीहि इल्मन सह्हलल्लाहु लहू बिही तरीक़न इलल-जन्नह

मतलब

जो इल्म की तलाश में किसी रास्ते पर चले, अल्लाह उसके लिए जन्नत का रास्ता आसान कर देता है।

☆ **सबक़:** आपकी हर क्लास जन्नत की तरफ़ एक क़दम है।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 2699** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

9 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

☐ याद हो गई

بَلِّغُوا عَنِّي وَلَوْ آيَةً

बल्लिग़ू अन्नी व लौ आयह

मतलब

मेरी तरफ़ से (लोगों तक) पहुँचाओ, चाहे एक आयत ही हो।

☆ **सबक़:** जो सीखें वह दूसरों को भी सिखाएँ।

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन अम्र (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 3461** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

10 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

مَنْ قَرَاَ حَرْفًا مِّنْ كِتَابِ اللّٰهِ فَلَهٗ بِهٖ حَسَنَةٌ وَّالْحَسَنَةُ بِعَشْرِ اَمْثَالِهَا

मन क़रआ हर्फ़म-मिन किताबिल्लाहि फ़-लहू बिही हसनह, वल्हसनतु बि-अश्रि अम्सालिहा

मतलब

जो अल्लाह की किताब का एक हर्फ़ पढ़े, उसे उसके बदले एक नेकी मिलती है, और हर नेकी दस गुना होती है।

सबक़: हर हर्फ़ पर नेकी है — नबी ﷺ ने फ़रमाया: अलिफ़, लाम और मीम तीन हर्फ़ हैं!

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद (रज़ि.)** · 📖 **जामे तिर्मिज़ी 2910** · *हदीस का एक हिस्सा*

★ ★ ★

नमाज़ और इबादत

11 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

صَلُّوْا كَمَا رَاَيْتُمُوْنِيْ اُصَلِّيْ

सल्लू कमा रऐतुमूनी उसल्ली

मतलब

उसी तरह नमाज़ पढ़ो जिस तरह तुमने मुझे नमाज़ पढ़ते देखा है।

सबक़: नमाज़ का सही तरीक़ा अपने उस्ताद से सीखें।

रावी: **हज़रत मालिक बिन हुवैरिस (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 631** · *हदीस का एक हिस्सा*

★ ★ ★

12 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

مِفْتَاحُ الصَّلَاةِ الطُّهُوْرُ وَتَحْرِيْمُهَا التَّكْبِيْرُ وَتَحْلِيْلُهَا التَّسْلِيْمُ

मिफ़्ताहुस-सलातित-तुहूर, व तहरीमुहत-तकबीर, व तहलीलुहत-तस्लीम

मतलब

नमाज़ की कुंजी पाकीज़गी (वुज़ू) है, उसकी शुरुआत तकबीर से होती है और उसका ख़ात्मा सलाम से।

सबक़: वुज़ू के बिना नमाज़ नहीं।

रावी: **हज़रत अली बिन अबी तालिब (रज़ि.)** · 📖 **जामे तिर्मिज़ी 3 · सुनन अबी दाऊद 61**

★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

13 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

اَحَبُّ الْاَعْمَالِ اِلَى اللّٰهِ تَعَالٰى اَدْوَمُهَا وَاِنْ قَلَّ

अहब्बुल अअमालि इलल्लाहि तआला अद्वमुहा व इन क़ल्ल

मतलब

अल्लाह को सबसे ज़्यादा पसंद वह अमल है जो हमेशा किया जाए, चाहे थोड़ा हो।

☆ **सबक़:** रोज़ाना थोड़ा अमल, कभी-कभार के ज़्यादा अमल से बेहतर है।

रावी: **हज़रत आइशा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 783 · सहीह बुख़ारी 6465** ★ ★ ★

14 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

كَلِمَتَانِ حَبِيْبَتَانِ اِلَى الرَّحْمٰنِ خَفِيْفَتَانِ عَلَى اللِّسَانِ ثَقِيْلَتَانِ فِى الْمِيْزَانِ
سُبْحَانَ اللّٰهِ وَبِحَمْدِهٖ سُبْحَانَ اللّٰهِ الْعَظِيْمِ

कलिमतानि हबीबतानि इलर-रहमान, ख़फ़ीफ़तानि अलल-लिसान, सक़ीलतानि फ़िल्मीज़ान: सुब्हानल्लाहि व बिहम्दिह, सुब्हानल्लाहिल अज़ीम

मतलब

दो कलिमे रहमान को बहुत प्यारे हैं, ज़बान पर हल्के और तराज़ू में भारी हैं: सुब्हानल्लाहि व बिहम्दिह, सुब्हानल्लाहिल अज़ीम (अल्लाह पाक है अपनी तारीफ़ के साथ, पाक है अल्लाह जो बड़ी अज़्मत वाला है)।

☆ **सबक़:** इन्हें ज़्यादा से ज़्यादा पढ़ें — ये बहुत आसान हैं!

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 7563** ★ ★ ★

15 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

مُرُوْا اَوْلَادَكُمْ بِالصَّلَاةِ وَهُمْ اَبْنَاءُ سَبْعِ سِنِيْنَ

मुरू औलादकुम बिस्सलाति व हुम अब्नाउ सब्इ सिनीन

मतलब

अपने बच्चों को नमाज़ का हुक्म दो जब वह सात साल के हो जाएँ।

☆ **सबक़:** माँ-बाप के लिए: सात साल की उम्र से बच्चे को नमाज़ की आदत डालें।

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन अम्र (रज़ि.)** · 📖 **सुनन अबी दाऊद 495** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

माँ-बाप और घर वाले

16 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

أُمُّكَ ثُمَّ أُمُّكَ ثُمَّ أُمُّكَ ثُمَّ أَبُوكَ

उम्मुका, सुम्मा उम्मुका, सुम्मा उम्मुका, सुम्मा अबूक

मतलब

(पूछा गया कि अच्छे सुलूक का सबसे ज़्यादा हक़दार कौन है? आप ﷺ ने फ़रमाया:) तुम्हारी माँ, फिर तुम्हारी माँ, फिर तुम्हारी माँ, फिर तुम्हारा बाप।

☆ **सबक़:** माँ-बाप की ख़िदमत और इज़्ज़त करें।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 2548** · *हदीस का एक हिस्सा*

★ ★ ★

17 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

رِضَا الرَّبِّ فِي رِضَا الْوَالِدِ وَسَخَطُ الرَّبِّ فِي سَخَطِ الْوَالِدِ

रिज़र-रब्बि फ़ी रिज़ल-वालिद, व सख़तुर-रब्बि फ़ी सख़तिल-वालिद

मतलब

रब की रज़ा माँ-बाप की रज़ा में है और रब की नाराज़गी माँ-बाप की नाराज़गी में है।

☆ **सबक़:** अपने माँ-बाप को ख़ुश रखें।

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन अम्र (रज़ि.)** · 📖 **जामे तिर्मिज़ी 1899**

★ ★ ★

18 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

خَيْرُكُمْ خَيْرُكُمْ لِأَهْلِهِ وَأَنَا خَيْرُكُمْ لِأَهْلِي

ख़ैरुकुम ख़ैरुकुम लि-अह्लिही, व अना ख़ैरुकुम लि-अह्ली

मतलब

तुम में सबसे बेहतर वह है जो अपने घर वालों के लिए सबसे बेहतर हो, और मैं अपने घर वालों के लिए तुम सबसे बेहतर हूँ।

☆ **सबक़:** अच्छा सुलूक अपने घर से शुरू करें।

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास (रज़ि.)** · 📖 **सुनन इब्ने माजा 1977**

★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

19 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

لَيْسَ مِنَّا مَنْ لَّمْ يَرْحَمْ صَغِيْرَنَا وَيُوَقِّرْ كَبِيْرَنَا

लैसा मिन्ना मन लम यर्हम सग़ीरना व युवक़्क़िर कबीरना

मतलब

वह हम में से नहीं जो हमारे छोटों पर रहम न करे और हमारे बड़ों की इज़्ज़त न करे।

☆ **सबक़:** छोटों के साथ नरमी और प्यार से पेश आएँ और बड़ों की इज़्ज़त करें।

रावी: **हज़रत अनस बिन मालिक (रज़ि.)** · 📖 **जामे तिर्मिज़ी 1919** ★ ★ ★

20 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

اَنَا وَ كَافِلُ الْيَتِيْمِ فِى الْجَنَّةِ هٰكَذَا

अना व काफ़िलुल-यतीमि फ़िल्जन्नति हाकज़ा

मतलब

मैं और यतीम की किफ़ालत (देखभाल) करने वाला जन्नत में इस तरह होंगे — और आप ﷺ ने दो उँगलियाँ मिलाकर इशारा फ़रमाया।

☆ **सबक़:** यतीमों और ज़रूरतमंदों का ख़याल रखें।

रावी: **हज़रत सहल बिन सअद (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 5304** ★ ★ ★

ज़बान और सच्चाई

21 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

مَنْ كَانَ يُؤْمِنُ بِاللّٰهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ فَلْيَقُلْ خَيْرًا اَوْ لِيَصْمُتْ

मन काना यूमिनु बिल्लाहि वल्यौमिल आख़िरि फ़ल्यक़ुल ख़ैरन औ लि-यस्मुत

मतलब

जो अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है, वह अच्छी बात कहे या ख़ामोश रहे।

☆ **सबक़:** बोलने से पहले सोचें।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 6018** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

22 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

اَلْكَلِمَةُ الطَّيِّبَةُ صَدَقَةٌ

अल्कलिमतुत-तय्यिबतु सदक़ह

मतलब
अच्छी बात कहना सदक़ा है।

☆ **सबक़:** मीठा बोल ऐसा तोहफ़ा है जो हर वक़्त दिया जा सकता है।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 2989** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

23 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

عَلَيْكُمْ بِالصِّدْقِ فَإِنَّ الصِّدْقَ يَهْدِىْ اِلَى الْبِرِّ وَاِنَّ الْبِرَّ يَهْدِىْ اِلَى الْجَنَّةِ

अलैकुम बिस्सिद्क़, फ़-इन्नस-सिद्क़ा यह्दी इलल-बिर्र, व इन्नल-बिर्रा यह्दी इलल-जन्नह

मतलब
हमेशा सच को थामे रहो, क्योंकि सच नेकी की तरफ़ ले जाता है और नेकी जन्नत की तरफ़ ले जाती है।

☆ **सबक़:** हमेशा सच बोलें।

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 2607** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

24 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

اَلْمُسْلِمُ مَنْ سَلِمَ الْمُسْلِمُوْنَ مِنْ لِّسَانِهٖ وَيَدِهٖ

अल्मुस्लिमु मन सलिमल-मुस्लिमूना मिल-लिसानिही व यदिह

मतलब
(सच्चा) मुसलमान वह है जिसकी ज़बान और हाथ से दूसरे मुसलमान महफ़ूज़ रहें।

☆ **सबक़:** किसी को न अपनी बातों से तकलीफ़ दें न हाथ से।

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन अम्र (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 10** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

25 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

مَنْ غَشَّنَا فَلَيْسَ مِنَّا

मन ग़श्शना फ़-लैसा मिन्ना

मतलब

जो हमें धोखा दे वह हम में से नहीं।

☆ **सबक़:** धोखा न दें — न खेल में, न इम्तिहान में, न ख़रीद-फ़रोख़्त में।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 101** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

☆ अच्छे अख़लाक़

26 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

لَا تَغْضَبْ

ला तग़ज़ब

मतलब

ग़ुस्सा न करो। (एक शख़्स ने नसीहत माँगी तो आप ﷺ ने बार-बार यही फ़रमाया।)

☆ **सबक़:** पुरसुकून रहें; ग़ुस्सा आए तो «अऊज़ु बिल्लाह» पढ़ें।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 6116** ★ ★ ★

27 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

إِنَّ مِنْ أَحَبِّكُمْ إِلَيَّ أَحْسَنَكُمْ أَخْلَاقًا

इन्ना मिन अहब्बिकुम इलय्या अहसनकुम अख़्लाक़ा

मतलब

तुम में से मुझे सबसे ज़्यादा प्यारे वह हैं जिनके अख़लाक़ सबसे अच्छे हैं।

☆ **सबक़:** अच्छे अख़लाक़ आपको नबी ﷺ के क़रीब करते हैं।

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन अम्र (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 3759** ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

बच्चों के लिए 40 हदीसें

28 ☆ रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

☐ याद हो गई

لَيْسَ الشَّدِيْدُ بِالصُّرَعَةِ اِنَّمَا الشَّدِيْدُ الَّذِىْ يَمْلِكُ نَفْسَهٗ عِنْدَ الْغَضَبِ

लैसश-शदीदु बिस्सुरअह, इन्नमश-शदीदुल-लज़ी यम्लिकु नफ़्सहू इन्दल-ग़ज़ब

मतलब

ताक़तवर वह नहीं जो (कुश्ती में) दूसरों को पछाड़ दे, ताक़तवर तो वह है जो ग़ुस्से के वक़्त ख़ुद पर क़ाबू रखे।

☆ **सबक़:** असली ताक़त ख़ुद पर क़ाबू रखना है।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 6114** ★ ★ ★

29 ☆ रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

☐ याद हो गई

اِنَّ اللّٰهَ رَفِيْقٌ يُحِبُّ الرِّفْقَ فِى الْاَمْرِ كُلِّهٖ

इन्नल्लाहा रफ़ीक़ुन युहिब्बुर-रिफ़्क़ा फ़िल अम्रि कुल्लिह

मतलब

अल्लाह नरमी करने वाला है और हर मामले में नरमी को पसंद करता है।

☆ **सबक़:** लोगों और जानवरों के साथ नरमी करें।

रावी: **हज़रत आइशा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 6927** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

30 ☆ रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

☐ याद हो गई

لَا يَشْكُرُ اللّٰهَ مَنْ لَّا يَشْكُرُ النَّاسَ

ला यश्कुरुल्लाहा मल-ला यश्कुरुन-नास

मतलब

जो लोगों का शुक्रिया अदा नहीं करता वह अल्लाह का भी शुक्र अदा नहीं करता।

☆ **सबक़:** शुक्रिया कहें — जज़ाकल्लाहु ख़ैरा।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सुनन अबी दाऊद 4811** ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

मुहब्बत और भाईचारा

31 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

تَبَسُّمُکَ فِیْ وَجْہِ اَخِیْکَ لَکَ صَدَقَۃٌ

तबस्सुमुका फ़ी वज्हि अख़ीका लका सदक़ह

मतलब

अपने भाई के सामने मुस्कुराना तुम्हारे लिए सदक़ा है।

सबक़: मुस्कुराहट भी सदक़ा है!

रावी: **हज़रत अबू ज़र (रज़ि.)** · 📖 **जामे तिर्मिज़ी 1956** · *हदीस का एक हिस्सा*

★ ★ ★

32 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

اَفْشُوا السَّلَامَ بَیْنَکُمْ

अफ़्शुस-सलामा बैनकुम

मतलब

आपस में सलाम को आम करो।

सबक़: नबी ﷺ ने सिखाया कि सलाम से आपस में मुहब्बत बढ़ती है।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 54** · *हदीस का एक हिस्सा*

★ ★ ★

33 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

याद हो गई

مَنْ لَّا یَرْحَمُ لَا یُرْحَمُ

मल-ला यर्हमु ला युर्हम

मतलब

जो रहम नहीं करता उस पर रहम नहीं किया जाता।

सबक़: रहम करें, तो आप पर भी रहम किया जाएगा।

रावी: **हज़रत जरीर बिन अब्दुल्लाह (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 6013**

★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

34 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

تَهَادَوْا تَحَابُّوْا

तहादौ तहाब्बू

मतलब

एक-दूसरे को तोहफ़े दो, आपस में मुहब्बत बढ़ेगी।

☆ **सबक़:** छोटे तोहफ़े बड़ी मुहब्बत पैदा करते हैं।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **अल-अदबुल मुफ़रद 594** ★ ★ ★

35 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

إِنَّ الْمُؤْمِنَ لِلْمُؤْمِنِ كَالْبُنْيَانِ يَشُدُّ بَعْضُهُ بَعْضًا

इन्नल-मूमिना लिल्मूमिनि कल्बुन्यानि यशुद्दु बअज़ुहू बअज़ा

मतलब

एक मोमिन दूसरे मोमिन के लिए इमारत की तरह है, जिसका एक हिस्सा दूसरे हिस्से को मज़बूत करता है।

☆ **सबक़:** दीवार की ईंटों की तरह एक-दूसरे का सहारा बनें।

रावी: **हज़रत अबू मूसा अशअरी (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 481** ★ ★ ★

सदक़ा और रोज़ की सुन्नतें

36 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

مَا نَقَصَتْ صَدَقَةٌ مِّنْ مَّالٍ

मा नक़सत सदक़तुम-मिम-माल

मतलब

सदक़ा देने से माल कम नहीं होता।

☆ **सबक़:** सदक़ा दें — अल्लाह उससे बढ़कर अता करता है।

रावी: **हज़रत अबू हुरैरा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 2588** · *हदीस का एक हिस्सा* ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

37 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

اِتَّقُوا النَّارَ وَلَوْ بِشِقِّ تَمْرَةٍ

इत्तक़ुन-नारा व लौ बि-शिक़्क़ि तमरह

मतलब

आग से बचो, चाहे आधी खजूर (सदक़ा) देकर ही सही।

☆ **सबक़:** कोई सदक़ा छोटा नहीं।

रावी: **हज़रत अदी बिन हातिम (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 1417** ★ ★ ★

38 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

يَا غُلَامُ سَمِّ اللّٰهَ وَكُلْ بِيَمِينِكَ وَكُلْ مِمَّا يَلِيكَ

या ग़ुलाम, सम्मिल्लाहा व कुल बि-यमीनिका व कुल मिम्मा यलीक

मतलब

ऐ बच्चे! अल्लाह का नाम लो, दाएँ हाथ से खाओ और अपने सामने से खाओ।

☆ **सबक़:** नबी ﷺ के सिखाए हुए खाने के तीन आदाब।

रावी: **हज़रत उमर बिन अबी सलमा (रज़ि.)** · 📖 **सहीह बुख़ारी 5376** ★ ★ ★

39 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया: ☐ याद हो गई

اَلسِّوَاكُ مَطْهَرَةٌ لِّلْفَمِ مَرْضَاةٌ لِّلرَّبِّ

अस्सिवाकु मत्हरतुल-लिल-फ़मि मर्ज़ातुल-लिर-रब्ब

मतलब

मिस्वाक मुँह को पाक करने वाली और रब को राज़ी करने वाली है।

☆ **सबक़:** दाँत साफ़ रखें — यह सुन्नत है।

रावी: **हज़रत आइशा (रज़ि.)** · 📖 **सुनन नसाई 5** ★ ★ ★

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

बच्चों के लिए 40 हदीसें

40 रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया:

☐ याद हो गई

إِنَّ اللَّهَ جَمِيلٌ يُحِبُّ الْجَمَالَ

इन्नल्लाहा जमीलुन युहिब्बुल-जमाल

मतलब

अल्लाह ख़ूबसूरत है और ख़ूबसूरती को पसंद करता है।

☆ **सबक़:** साफ़-सुथरे और सलीक़ेमंद रहें — घमंड के बिना।

रावी: **हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद (रज़ि.)** · 📖 **सहीह मुस्लिम 91** · *हदीस का एक हिस्सा*

★ ★ ★

मैंने अमल किया!

हर दिन जब आप इस हफ़्ते की हदीस पर अमल करें, एक ख़ाना रंग दें।

सोम	मंगल	बुध	जुमेरात	जुमा	शनि	इतवार

किसी को सुनाएँ

«मेरी तरफ़ से पहुँचाओ, चाहे एक आयत ही हो।» यह हदीस किसी दोस्त या भाई-बहन को सुनाएँ और उसका नाम लिखें।

आज की मेरी नेकी

इस हदीस की वजह से आपने जो एक अच्छा काम किया, वह लिखें।

मेरी पसंदीदा हदीस

मेरी पसंदीदा हदीस नंबर ___ है क्योंकि ...

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

मेरी 40 हदीसों का ट्रैकर

याद होने पर ✓ लगाएँ। सब 40 पूरी हों तो सर्टिफ़िकेट भरें!

- 1 नेक काम अल्लाह को राज़ी करने के लिए करें, दिखावे के लिए नहीं। ☐
- 2 दूसरों के लिए भी वही भलाई चाहें जो अपने लिए चाहते हैं। ☐
- 3 अल्लाह, उसकी किताब, उसके रसूल ﷺ और सब मुसलमानों के साथ मुख़्लिस और ख़ैरख़्वाह रहें। ☐
- 4 अपना जिस्म, कपड़े और कमरा साफ़-सुथरा रखें। ☐
- 5 बुरे काम और बुरी बात से शर्म करें। ☐
- 6 क़ुरआन सीखने वाला बेहतरीन लोगों में शामिल हो जाता है। ☐
- 7 रोज़ाना कुछ न कुछ क़ुरआन पढ़ें। ☐
- 8 आपकी हर क्लास जन्नत की तरफ़ एक क़दम है। ☐
- 9 जो सीखें वह दूसरों को भी सिखाएँ। ☐
- 10 हर हर्फ़ पर नेकी है — नबी ﷺ ने फ़रमाया: अलिफ़, लाम और मीम तीन हर्फ़ हैं! ☐
- 11 नमाज़ का सही तरीक़ा अपने उस्ताद से सीखें। ☐
- 12 वुज़ू के बिना नमाज़ नहीं। ☐
- 13 रोज़ाना थोड़ा अमल, कभी-कभार के ज़्यादा अमल से बेहतर है। ☐
- 14 इन्हें ज़्यादा से ज़्यादा पढ़ें — ये बहुत आसान हैं! ☐
- 15 माँ-बाप के लिए: सात साल की उम्र से बच्चे को नमाज़ की आदत डालें। ☐
- 16 माँ-बाप की ख़िदमत और इज़्ज़त करें। ☐
- 17 अपने माँ-बाप को ख़ुश रखें। ☐
- 18 अच्छा सुलूक अपने घर से शुरू करें। ☐
- 19 छोटों के साथ नरमी और प्यार से पेश आएँ और बड़ों की इज़्ज़त करें। ☐
- 20 यतीमों और ज़रूरतमंदों का ख़याल रखें। ☐
- 21 बोलने से पहले सोचें। ☐
- 22 मीठा बोल ऐसा तोहफ़ा है जो हर वक़्त दिया जा सकता है। ☐
- 23 हमेशा सच बोलें। ☐
- 24 किसी को न अपनी बातों से तकलीफ़ दें न हाथ से। ☐
- 25 धोखा न दें — न खेल में, न इम्तिहान में, न ख़रीद-फ़रोख़्त में। ☐
- 26 पुरसुकून रहें; ग़ुस्सा आए तो «अऊज़ु बिल्लाह» पढ़ें। ☐
- 27 अच्छे अख़लाक़ आपको नबी ﷺ के क़रीब करते हैं। ☐
- 28 असली ताक़त ख़ुद पर क़ाबू रखना है। ☐
- 29 लोगों और जानवरों के साथ नरमी करें। ☐
- 30 शुक्रिया कहें — जज़ाकल्लाहु ख़ैरा। ☐
- 31 मुस्कुराहट भी सदक़ा है! ☐
- 32 नबी ﷺ ने सिखाया कि सलाम से आपस में मुहब्बत बढ़ती है। ☐
- 33 रहम करें, तो आप पर भी रहम किया जाएगा। ☐
- 34 छोटे तोहफ़े बड़ी मुहब्बत पैदा करते हैं। ☐
- 35 दीवार की ईंटों की तरह एक-दूसरे का सहारा बनें। ☐
- 36 सदक़ा दें — अल्लाह उससे बढ़कर अता करता है। ☐
- 37 कोई सदक़ा छोटा नहीं। ☐
- 38 नबी ﷺ के सिखाए हुए खाने के तीन आदाब। ☐
- 39 दाँत साफ़ रखें — यह सुन्नत है। ☐
- 40 साफ़-सुथरे और सलीक़ेमंद रहें — घमंड के बिना। ☐

इनाम के सितारे — हर 5 पर एक स्टिकर लगाएँ

5 ★ 10 ★ 15 ★ 20 ★ 25 ★ 30 ★ 35 ★ 40 ★

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

सर्टिफ़िकेट

رَبِّ زِدْنِيْ عِلْمًا

यह सर्टिफ़िकेट दिया जाता है

जिसने बच्चों के लिए 40 हदीसें याद कर लीं — माशाअल्लाह!

★ ★ ★ ★ ★

तारीख़

उस्ताद / वालिदैन

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

Book a FREE trial class